भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2724
बुधवार, दिनांक 11 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने हेतु

सोलर एलायंस का प्रभाव

2724. श्रीमती अपराजिता सारंगीः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय सोलर एलायंस (आईएसए) के प्रभाव का विस्तार करने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा भारत और अन्य सदस्य देशों के बीच आईएसए के लिए प्रौद्योगिकीय सहयोग और ज्ञान के अंतरण को सुगम बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने गत वर्ष से अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं जैसे विश्व बैंक, एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी) अथवा ग्रीन क्लाइमेट फंड से आईएसए परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण करने हेतु कोई साझेदारी की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) आईएसए के अंतर्गत सौर परियोजनाओं के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) अंतरराष्ट्रीय सोलर एलायंस (आईएसए) भारत और फ्रांस द्वारा सह-स्थापित एक क्रिया-उन्मुख, सदस्य-संचालित, सहयोगी मंच है और यह प्रथम अंतर-सरकारी संधि आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जिसका मुख्यालय भारत में है। वर्ष 2018 में आईएसए की स्थापना के बाद से ही भारत इसका अध्यक्ष रहा है। भारत विभिन्न देशों के साथ चर्चाओं में आईएसए की सदस्यता का निरंतर पक्षकार रहा है। परिणामस्वरूप, वर्तमान में आईएसए के कुल 104 सदस्य देश हैं। इन देशों में अन्य के साथ मध्य पूर्व से संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, सऊदी अरब, ओमान, बहरीन, सीरिया, यमन और दक्षिण एशिया से बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, मालदीव, भूटान, नेपाल शामिल हैं। इजरायल और लेबनान सहित अन्य 16 हस्ताक्षरकर्ता देश पूर्ण सदस्यता का दर्जा प्राप्त करने के लिए फ्रेमवर्क समझौते की पुष्टि करने की प्रक्रिया में हैं।

(ख) सदस्य देशों में किफायती और परिवर्तनकारी सौर ऊर्जा समाधानों का विकास और स्थापना करने के उद्देश्य से भारत की अध्यक्षता में आईएसए द्वारा विषयक कार्यक्रम तैयार किए गए हैं जिनमें अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं

i. कृषि उपयोग के लिए सौर अनुप्रयोगों को बढ़ाना
ii. बड़े पैमाने पर किफायती वित्त

iii. सौर मिनी ग्रिड का विस्तार

iv. रूफटॉप सौर का विस्तार

v. सौर ई-गतिशीलता और भंडारण का विस्तार

vi. सौर पार्क

vii. तापन और शीतलन प्रणालियों का सौरीकरण

viii. सौर पीवी बैटरी और अपशिष्ट प्रबंधन

ix. ग्रीन हाइड्रोजन के लिए सौर ऊर्जा

इसके अलावा, आईएसए ने अनुसंधान, प्रशिक्षण और विकास गतिविधियों के लिए सौर प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संसाधन केंद्रों (एसटीएआर-सी) के माध्यम से प्रतिभागियों को सौर ऊर्जा के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षित किया है।

(ग) एक सदस्य देश और आईएसए असेंबली के अध्यक्ष के रूप में, भारत आईएसए की गतिविधियों के लिए वित्त जुटाने के प्रयासों का समर्थन करता है। आईएसए को वर्ष 2021 से वैश्विक फाउंडेशनों और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों से लगभग 8.98 मिलियन अमरीकी डॉलर प्राप्त हुए हैं। आईएसए सदस्य देशों में विभिन्न परियोजनाओं और गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए एशियाई विकास बैंक, यूरोपीय आयोग और आईबीएसए फंड से भी उदार योगदान प्राप्त हुए हैं।

(घ) आईएसए की हाल ही में आयोजित 7वीं असेंबली बैठक के दौरान, एक सदस्य देश के रूप में भारत ने आईएसए निगरानी, मूल्यांकन और अध्ययन नीति के गठन का समर्थन किया है। इस निगरानी, मूल्यांकन और अध्ययन (एमईएल) नीति का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के कार्य की प्रभावी योजना, मापन, रिपोर्टिंग और मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश और प्रक्रियाएं निर्धारित करना है। यह नीति, सहमत परिणामों की दिशा में प्रगति पर नज़र बनाए रखने में सहायता करती है; पारस्परिक उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती है; तथा सूचित निर्णय लेना और सीखना सुगम बनाती है।

*****